युद्ध के भीतर युद्ध: यमन में सऊदी के हस्तक्षेप पर

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) संबंधित है।

द हिन्दू

14 अगस्त, 2019

"सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन के पतन के कारण, यमन को एक राष्ट्रव्यापी युद्धविराम की आवश्यकता है।"

यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन का हस्तक्षेप इस बात का सबूत है कि बीमार सोच , खराब रणनीति और भू-राजनीति से प्रेरित सैन्य हस्तक्षेप, जो मानवीय जीवन को बहुत कम महत्व देते हैं कैसे चीजों को गलत कर देते हैं। युद्ध के चार वर्षों के बाद भी, सऊदी अपने घोषित लक्ष्य को पूरा कर सकने में सक्षम नहीं हो पाया है जहाँ इसने घोषणा की थी कि राजधानी सना से शिया हाउथी विद्रोहियों को पीछे धकेल दिया जायेगा और बेदखल सरकार को पुनः वापस स्थापित किया जायेगा, जिन्होंने वर्तमान में अस्थायी रूप से दक्षिणी शहर अदन में अपना मुख्यालय बना रखा है।

इसके विपरीत, युद्ध ने यमन को उस संकट के समीप भेज दिया है जो संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सबसे खराब मानवीय संकट है। हजारों लोग मारे गए हैं, हजारों विस्थापित हैं और देश के 28 मिलियन लोगों में से दो तिहाई लोगों के पास पर्याप्त भोजन तक नहीं है।

इसके अलावा, अब गठबंधन के भीतर एक विद्रोह की भावना भी फैल चुकी है। पिछले हफ्ते, दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद् या सदर्न ट्रांजिशनल कौंसिल (एसटीसी, Southern Transitional Council), जो एक मिलिशिया समूह है, जो सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन के हिस्से के रूप में हाउथियों से लड़ रहा था, अपने आकाओं के खिलाफ़ हो गया और अदन में राष्ट्रपति भवन और शहर के मुख्य बंदरगाह पर कब्जा कर लिया। बदले में, सऊदी जेट ने शुरू हुए संघर्ष विराम से पहले एसटीसी सेनानियों को निशाना बनाया।

अब यह तीन-तरफा संघर्ष की तरह लग रहा है। शिया हाउथी, जिस पर सऊदी दावा करता है और ईरान द्वारा समर्थित है, सना सहित देश के उत्तर के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित कर रहे हैं।

यमन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समर्थित अब्दराबुब मंसूर हादी की सरकार, जो सऊदी सहयोगी है, दक्षिण को नियंत्रित कर रहे है। हालांकि, श्री हादी सऊदी अरब से कथित प्रशासन चला रहे हैं। एसटीसी चाहता है कि दक्षिण एक स्वतंत्र इकाई हो, जैसे 1990 में येमेनी एकीकरण तक था।

एसटीसी के विद्रोह ने हाउथियों से लड़ने के लिए सऊदी अरब द्वारा बनाये गये बहु-राष्ट्रीय गठबंधन में बढ़ते विवाद के संकेत दिए हैं। एसटीसी यूएई द्वारा समर्थित है, जो सऊदी अरब के महत्वपूर्ण साझेदार हैं। वे ईरान परमाणु समझौते का विरोध करने और कतर को अवरुद्ध करने पर, अरब दुनिया में मुस्लिम ब्रदरहुड के प्रसार और प्रभाव का मुकाबला करने के लिए मिस्र में अब्देल फतह अल-सीसी के सैन्य तानाशाही को आगे बढ़ाने में एक साथ रहे हैं।

लेकिन जब यमन की बात आती है, तो सऊदी लोग हादी सरकार और सुन्नी इस्लामिक पार्टियों की तरफ देखते हैं, जिनमें इस्लाह भी शामिल है, जो हाउथियों के हारने के बाद पूरे देश को स्थिर कर सकते हैं और उनका पुनर्निर्माण कर सकते हैं, जबकि यूएई, विद्रोहियों को हराने के लिए गठबंधन की विफलता से पहले से ही निराश है।

यूएई ने पहले ही यमन युद्ध से हाथ खींचते हुए हाउथी से लड़ने के लिए सऊदी अरब को अकेला छोड़ दिया है और एसटीसी के लिए अपने निरंतर समर्थन के साथ, दक्षिणी यमन में अपना प्रभाव बनाए रखने की तुलना में अमीराती हाउथियों को हराने के बारे में कम चिंतित हैं।

यह मोहम्मद बिन सलमान, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और यमन हस्तक्षेप के मुख्य वास्तुकार के लिए एक बार फिर से बातचीत का क्षण होना चाहिए। जहाँ एक तरफ सऊदी युद्ध हार चुका है और उसका गठबंधन लड़खड़ा रहा है, वहीं दूसरी तरफ यमन अकल्पनीय मानवीय पीड़ा से जूझ रहा है।

यह एक राष्ट्रव्यापी युद्धविराम का समय है और संकट की इस घड़ी में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता के तहत सभी हितधारकों के साथ बातचीत करते हुए एक राजनीतिक समझौता सभी के लिए बेहतर साबित हो सकता है।

GS World टीम...

यमन और सऊदी विवाद

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने रविवार को कहा कि उसने यमन में दक्षिणी अलगाववादियों के खिलाफ हमले शुरू कर दिए हैं।
- रियाद समर्थित यमन सरकार ने संयुक्त अरब अमीरात से समर्थन प्राप्त तख्तापलट की निंदा की है। राष्ट्रपति भवन पर कब्जा जमाना अलगाववादियों और सरकार की वफादार सेना के बीच गहरी खाई को दिखाता है।
- दोनों ने ही शिया हाउथी विद्रोहियों से लड़ाई लड़ी है। गठबंधन सेना ने एक बयान में कहा, ''गठबंधन ने उस इलाके को निशाना बनाया जो वैध सरकार के महत्वपूर्ण स्थानों में से एक के लिए सीधा खतरा है।''
- साथ ही उसने अलगाववादियों की साउदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल से अदन में राष्ट्रपति भवन छोड़ने या फिर और हमलों के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

पृष्ठभूमि

- यमन के राष्ट्रपति अब्देरब्बो मंसूर हादी को सऊदी अरब और उसके सहयोगी संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन प्राप्त था, जो यमन में हाउथियों से लड़ रहे हैं। लेकिन हाउथी विरोधी गठबंधन में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा प्रशिक्षित अन्य सेना सिक्योरिटी बेल्ट फोर्स ही अदन में सरकार की वफादार सेना से लड़ रही है।
- 'सिक्योरिटी बेल्ट फोर्स' के एक अधिकारी ने बताया की उन्होंने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया है।
- यह फोर्स साउदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) का समर्थन करती है जो दक्षिणी यमन को स्वतंत्र राज्य के रूप में बहाल करने का मांग करती है, जैसे कि वह 1967 से 1990 तक के दौर में था।

यमन में मानवीय हालात?

- विश्वे स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation) के अनुसार, 2015 में सऊदी हस्तक्षेप के बाद से यमन में कम से कम 10,000 लोग मारे गए हैं।
- गठबंधन ताकतों द्वारा किये गए हवाई हमले ने बुनियादी अवसंरचना को तबाह कर दिया, खाद्य पदार्थों और दवाइयों की आपूर्ति में कमी ला दी, जिससे यमन को व्यापक नुकसान झेलना पड़ा है।

- अगर यमन को सहायता नहीं पहुँचाई गई तो लगभग 12 मिलियन लोग भुखमरी के शिकार हो सकते हैं। इस समय पूरा देश कॉलरा के प्रकोप से भी प्रभावित है। यूनिसेफ द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार, यमन में हर 10 मिनट में एक बच्चे की मृत्यु हो जाती है।

यमन में सऊदी अरब का हस्तक्षेप क्यों?

- जब शिया हाउथी विद्रोहियों ने यमन की राजधानी सना (Sanaa) पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति हादी की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को दक्षिणी हिस्से में सिमटना पड़ा, तब सऊदी अरब ने यमन में हस्तक्षेप करना शुरू किया।
- सऊदी अरब ने ईरान पर अरब प्रायद्वीप में अस्थिरता लाने और शिया हाउथी विद्रोहियों को आर्थिक सहायता देने का आरोप लगाया था। वस्तुतः इस प्रायद्वीप में स्थिरता स्थापित करना सऊदी अरब की योजना थी।
- लेकिन सऊदी अरब के चार वर्षों के अथक प्रयासों के बावजूद हाउथी विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा जमाने के साथ-साथ उत्तरी यमन के ज्यादातर हिस्सों पर नियंत्रण कायम किया हुआ है। यही बात सऊदी अरब के लिये परेशानी का सबब बनी हुई है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यमन संकट की शुरूआत 2011-12 में राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह के खिलाफ क्रांति से हुई।
2. यमन में मानवीय संकट से निपटने के लिए संकल्प सम्मेलन का आयोजन स्वीडन और स्विट्जरलैंड ने मिलकर किया था।
3. सरवात पहाड़ अरब प्रायद्वीप के पश्चिमी तट की एक पर्वतमाला है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2
(d) उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

1. Consider the following statements-

1. Yemen crisis started in 2011-12 with the movement against president Ali Abdullah saleh.
2. Sweden and Switzerland convened pledging Event for tackling Humanitarian crisis of Yemen.
3. Sarawat mountains is a mountain range of Western coast of Arabian Peninsula.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) 1 and 2
(d) All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्नः यमन की वर्तमान स्थिति को देखते हुए अब संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता की अपेक्षा की जा रही है। यमन को इस स्थिति में पहुँचाने के लिए सऊदी नेतृत्व गठबंधन एवं अन्य यमनी संगठन किस प्रकार उत्तरदायी रहे? चर्चा कीजिए। **(250 शब्द)**

Q. Mediation from United Nations is expected now considering the present state of Yemen. How are Saudi led coalition and other Yemen organisations responsible for making the situation of Yemen to this level? **(250 Words)**

नोट : 13 अगस्त को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (c) होगा।